हिन्दू (भारतीय) इस्लामी संस्कृति

हिन्दू इस्लामी संस्कृति शब्द मिश्रित या समन्वित संस्कृति के विकास का सूचक है, जो मध्यकालीन भारत और इस्लामी जगत की सांस्कृतिक परंपराओं के सम्पर्क के फलस्वरूप विकसित हुई थी।यह संबंध अरब के उन व्यापारियों के माध्यम से स्थापित हुए थे जो भारत के विदेश व्यापार के प्रमुख स्रोत थे। **हिन्दू धर्म तथा इस्लाम की सांस्कृतिक परंपराओं के समेकन से मिश्रित या हिन्दू इस्लामी संस्कृति का जन्म हुआ।**

- मध्यकालीन हिन्दू तथा मुस्लिम संतों ने दो सम्प्रदायों के बीच भाई चारा बनाएं रखने के अपने प्रयासों द्वारा सांस्कृतिक विकास में अत्यधिक योगदान दिया।
- विद्वता एवं साहित्य के क्षेत्र में भी दोनों सम्प्रदाय एक दूसरे से प्रभावित हुए। मुस्लिम विद्वानों ने हिन्दू दर्शन और विज्ञान जैसे – योगशास्त्र तथा वेदांत,चिकित्सा शास्त्र तथा ज्योतिष का अध्ययन किया, तो हिन्दुओं ने उनसे भूगोल, अंकगणित तथा रसायन शास्त्र जैसे विषयों का अध्ययन किया।
- पारस्परिक भाषा विषयक आदान – प्रदान हिन्दी के विकास में परिलक्षित हुआ जिसके आधार पर अंततः उर्दू का जन्म हुआ।

भाषा और साहित्य-

- **दिल्ली सल्तनत** का काल साहित्यिक दृष्टि से मध्यम था। इस समय फारसी और संस्कृत भाषा के अतिरिक्त हिन्दी, उर्दू और प्रायः सभी प्रांतीय भाषाओं में ग्रंथ लिखे गये।

संस्कृत साहित्य

संस्कृत साहित्य को हिन्दू शासकों मुख्यतया **विजयनगर**, वारंगल और गुजरात के शासकों से संरक्षण प्राप्त हुआ।संस्कृत इस काल में उच्च वर्ग की भाषा रही। धार्मिक एवं धर्म निरपेक्ष रचनाओं का सृजन बड़ी मात्रा में हुआ। इस युग में संस्कृत ग्रंथों में मौलिकता का अभाव था। अधिकांश पुस्तकें प्राचीन ग्रंथों की पुनरावृत्ति टीकाएं अथवा भाषाओं का आधार लेकर लिखी गयी।

- प्रसिद्ध फारसी कवि जामी द्वारा लिखित युसुफ और जुलेखा की प्रेम कहानी का फारसी से संस्कृत में अनुवाद किया गया।

प्रमुख ग्रंथ निम्नलिखित हैं-

1. जयसिंह सुरि की रचना हम्मीर मद मर्दन
2. जयचंद्र की रचना हम्मीर काव्य

फारसी साहित्य

तुर्की सुल्तान फारसी साहित्य में रुचि रखते थे। जबकि मुसलमानों का अधिकांश साहित्य अरबी में लिखा गया था जो पैगंबर की भाषा थी। फारसी विकास के लिए लाहौर पहला केन्द्र था। दिल्ली सुल्तानों ने इस भाषा के विकास के लिए अनेक शिक्षण संस्थाएं खोली तथा पुस्तकालय स्थापित किये। सबसे महत्त्वपूर्ण राजकीय पुस्तकालय जलालुद्दीन द्वारा स्थापित कराया गया जिसका अध्यक्ष अमीर खुसरो था।

संगीत कला-

- **इस्लाम धर्म** द्वारा संगीत कला वर्जित थी, परंतु भारतीय संगीत ने तुर्की शासकों पर प्रभाव डाला जिसके फलस्वरूप **बलबन** उसका पुत्र बुगरा खाँ, अलाउद्दीन खिलजी, मुहम्मद बिन तुगलक जैसे सुल्तानों ने संगीत को संरक्षण प्रदान किया।
- जब तुर्क भारत आये तो अपने साथ ईरान एवं मध्य एशिया में पल्लवित समृद्ध अरबी संगीत परम्परा भी लाये। उनके पास कई नये वाद्य यंत्र थे जैसे रबाब और सारंगी तथा उनकी एक विशिष्ट संगीत पद्धति थी। मध्यकालीन संगीत परंपरा के आदि संस्थापक अमीर खुसरो थे।

चित्रकला-

मानवीय या अन्य किसी जीवित प्राणी के चित्र रूढिवादी मुसलमानों को स्वीकार्य नहीं थे। अतः प्रारंभिक मुस्लिम सुल्तानों ने चित्रकला के प्रति रुचि नहीं दिखाई। सल्तनतकालीन चित्रकला के प्रचलन का सबसे प्रारंभिक उल्लेख बैहाकी द्वारा लिखित गजनवियों के इतिहास में मिलता है।

स्थापत्य कला-

कला एवं स्थापत्य के क्षेत्र में हिन्दू इस्लामी संस्कृतियों के मध्य समन्वय अधिक स्पष्टतः परिलक्षित होता है। मुस्लिम आक्रमणकारियों ने भारत पर आक्रमण से पूर्व पश्चिम एवं मध्य एशिया, उत्तर अफ्रीका एवं दक्षिण -पश्चिम यूरोप की कला शैलियों की विशेषताओं को मिलाकर अपनी एक विशिष्ट स्थापत्य कला शैली का विकास कर लिया था।

स्वतंत्र भारत के 12 राष्ट्रपतियों में से तीन मुसलमान थे - जाकिर हुसैन डॉ॰ अहमद फखरुद्दीन अली और डॉ॰ ए॰ पी॰ जे॰ अब्दुल कलाम।

बॉलीवुड में कुछ लोकप्रिय और प्रभावशाली अभिनेता और अभिनेत्रियां मुसलमान हैं। इनमें यूसुफ खान (पर्दे पर दिलीप कुमार),[54] शाहरुख खान,[55] आमिर खान,[56] सलमान खान,[57] सैफ अली खान,[58][58][59] मधुबाला,[60] कैटरीना कैफ और नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी[61] शामिल हैं। भारत में ऐसे कई मुस्लिम अभिनेता भी हैं जिन्हें समीक्षकों द्वारा प्रशंसा प्राप्त है, इनमें नसीरुद्दीन शाह, शबाना आजमी[62] वहीदा रहमान,[63] इरफान खान, फरीदा जलाल, अरशद वारसी, महमूद, जीनत अमान, फारूक शेख और तब्बू शामिल हैं।

भारतीय मुसलमान भारत में कला प्रदर्शन के अन्य रूपों में भी निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं विशेष रूप से संगीत, आधुनिक कला और थिएटर में। एम॰एफ॰ हुसैन को भारत के सबसे प्रसिद्ध समकालीन कलाकार के रूप में जाना जाता है और अकादमी पुरस्कार विजेता रेसुल पुकुट्टी और ए॰आर॰ रहमान भारत के महान संगीतकारों में से एक हैं। प्रमुख कवियों और गीतकारों में जावेद अख्तर को शामिल किया जाता है जिन्होंने अपनी प्रतिभा के लिए कई फिल्म फेयर पुरस्कार अर्जित किया है। अन्य लोकप्रिय मुसलमान जाति के भारतीय संगीतकारों और गायकों में मोहम्मद रफी, अनु मलिक, लकी अली और तबला वादक जाकिर हुसैन शामिल हैं।

हैदराबाद से सानिया मिर्जा उच्चतम रैंक की टेनिस खिलाड़ी हैं और व्यापक रूप से भारत में उन्हें युवाओं का आदर्श माना जाता है। क्रिकेट (भारत का सबसे लोकप्रिय खेल) में कई मुस्लिम खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने अपना एक महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। इस्लाम को मानने वाले कुछ पूर्व क्रिकेटर मुश्ताक अली, नवाब पटौदी और मोहम्मद अजहरुद्दीन हैं। मौजूदा भारतीय क्रिकेट टीम में जहीर खान, इरफान पठान और यूसुफ पठान जैसे कई मुस्लिम खिलाड़ी हैं। भारत में अन्य प्रमुख मुस्लिम क्रिकेटरों में मोहम्मद कैफ और वसीम

जाफर हैं। यहां तक कि पूर्व-इस्लामी युग में भी अरब व्यापारी मालाबार क्षेत्र में व्यापार करने आते थे, जो कि उन्हें दक्षिण पूर्व एशिया से जोड़ती थी।